# एलपीजी किल्लत खत्म बुकिंग में रफ्तार

## पैनिक बुकिंग घटी, कंपनियां मांग से ज्यादा डिलीवरी कर रहीं

**नई दिल्ली, 17 अप्रैल देश में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत अब काफी हद तक खत्म होती नजर आ रही है. पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते पैदा हुई सप्लाई संकट की स्थिति में अब सुधार आया है, जिससे घरेलू बाजार में राहत देखने को मिल रही है. ताजा आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोलियम कंपनियां अब बुकिंग से ज्यादा सिलेंडर की सप्लाई करने में सफल रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है.**

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अप्रैल की शुरुआत में जहां एलपीजी की दैनिक बुकिंग करीब 9 मिलियन तक पहुंच गई थी, वहीं 14 अप्रैल तक यह घटकर 4.3 मिलियन रह गई. यह गिरावट इस बात का संकेत है कि बाजार में पैनिक बुकिंग अब कम हो रही है और उपभोक्ताओं का भरोसा लौट रहा है. युद्ध से पहले औसतन 5.5 मिलियन सिलेंडर प्रतिदिन बुक किए जाते थे, जिसके मुकाबले मौजूदा स्थिति सामान्य के करीब मानी जा रही है.

आंकड़ों के अनुसार, ऑयल मार्केटिंग कंपनियां ने 14 अप्रैल को 4.76 मिलियन एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी की, जो बुकिंग से अधिक है. इससे यह साफ होता है कि सप्लाई चेन में सुधार हुआ है और कंपनियां मांग को प्रभावी ढंग से पूरा कर रही हैं.

दरअसल, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत में एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, क्योंकि देश अपनी लगभग 90 प्रतिशत जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है. इस संकट से निपटने के लिए भारत ने वैकल्पिक स्रोतों की ओर रुख किया और अमेरिका, अंगोला और ईरान जैसे देशों से एलपीजी आयात बढ़ाया.

> **एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क से सप्लाई क्रांति**
>
> देश में रसोई गैस की सप्लाई व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, तेज और आधुनिक बनाने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने करीब 12,500 करोड़ की लागत से एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार की योजना पर काम शुरू कर दिया है. इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सड़क मार्ग से होने वाली एलपीजी ढुलाई को कम करना और एक स्थायी, सुरक्षित तथा तकनीकी रूप से उन्नत परिवहन प्रणाली विकसित करना है.

## रुपया 19 पैसे मजबूत

**मुंबई, 17 अप्रैल** अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को 19 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 93.1475 रुपये का बोला गया. भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 1.25 पैसे की बढ़त में 93.3375 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी.

रुपये की शुरुआत आज 4.75 पैसे ऊपर 93.29 रुपये प्रति डॉलर पर हुई. यह नीचे 93.3575 रुपये प्रति डॉलर तक उतरने के बाद 93.10 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ. अंत में 93.1475 रुपये प्रति डॉलर पर रहा.

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने आज भारतीय पूंजी बाजार में 25 करोड़ डॉलर लगाये. इससे रुपये को मजबूती मिली. हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रही तेजी ने भारतीय मुद्रा की बढ़त को सीमित रखा.

# टैक्स फ्री आय पर भी रिटर्न जरूरी

**बड़े खर्च पर आयकर की नजर**

**स्थायी खाता संख्या से ट्रैकिंग**

**नई दिल्ली, 17 अप्रैल अगर आपकी आय टैक्स फ्री सीमा के भीतर आती है, तब भी कुछ खास परिस्थितियों में आयकर रिटर्न भरना जरूरी हो सकता है. आयकर विभाग के नियमों के अनुसार केवल कम आय होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आपके खर्च और वित्तीय लेन-देन भी जांच के दायरे में आते हैं. पुरानी कर व्यवस्था में 2.5 लाख और नई कर व्यवस्था में रु. 3 लाख तक की आय टैक्स फ्री मानी जाती है.**

सामान्य स्थिति में इतनी आय होने पर आयकर रिटर्न भरने की जरूरत नहीं होती. लेकिन आयकर

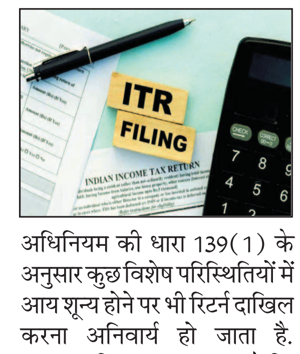


अधिनियम की धारा 139(1) के अनुसार कुछ विशेष परिस्थितियों में आय शून्य होने पर भी रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य हो जाता है. आयकर विभाग का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति के खर्च उसकी घोषित आय से अधिक दिखाई देते हैं, तो यह संकेत माना जाता है कि उसके पास आय के अन्य स्रोत हो सकते हैं, जिन्हें उसने घोषित नहीं किया है. ऐसे मामलों में विभाग आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए नोटिस भेज सकता है. आज के समय में स्थायी खाता संख्या और आधार कार्ड के लिंक होने के कारण हर बड़े वित्तीय लेनदेन पर निगरानी रखना आसान हो गया है. बैंक खातों, क्रेडिट कार्ड, निवेश और बड़ी खरीदारी की जानकारी सीधे विभाग के सिस्टम में दर्ज हो जाती है.

> कई लोग यह सोचकर आयकर रिटर्न नहीं भरते कि उनकी आय टैक्स फ्री है, लेकिन यह गलती बाद में परेशानी का कारण बन सकती है. महंगी खरीदारी, विदेश यात्रा या बड़े बैंक लेन-देन जैसी गतिविधियां भी जांच के दायरे में आ सकती हैं .इसलिए कर विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि यदि आपकी वित्तीय गतिविधियां सामान्य से अधिक हैं, तो समय पर आयकर रिटर्न जरूर दाखिल करें, ताकि भविष्य में किसी भी कानूनी समस्या या नोटिस से बचा जा सके.

# इजरायल-लेबनान सीजफायर के कारण तेल हुआ सस्ता

**नई दिल्ली, 17 अप्रैल पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई. डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिन के युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में राहत का माहौल देखने को मिला, जिससे क्रूड ऑयल की कीमतें करीब 2 प्रतिशत तक फिसल गईं. निवेशकों की चिंता घटने और सप्लाई में बाधा की आशंका कम होने से बाजार में नरमी आई है.**

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा शुरुआती कारोबार में 97.99 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गया, जो दिन का निचला स्तर रहा. इसमें 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई. वहीं ẅ्ठ क्रूड भी लगभग 2 प्रतिशत टूटकर 92.91 डॉलर प्रति बैरल के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया. यह गिरावट ऐसे समय आई है जब पिछले कारोबारी सत्र में तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला था.

गुरुवार को ब्रेंट क्रूड लगभग 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 99.39 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 2 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 93.32 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था. विश्लेषकों का मानना है कि बाजार में यह उतार-चढ़ाव भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता हैघरेलू स्तर पर भी इसका असर साफ दिखाई दिया. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (ख्श्ङ्क) पर कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 2.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे भाव 8,625 रुपये प्रति बैरल तक आ गया.

> वैश्विक शेयर बाजारों पर भी इस घटनाक्रम का असर देखने को मिला. एशियाई बाजारों में कमजोरी रही और प्रमुख सूचकांक 1 प्रतिशत तक गिर गए. वहीं वॉल स्ट्रीट में हल्की बढ़त दर्ज की गई, जहां नैस्डैक और एसएंडपी 500 सूचकांक मामूली तेजी के साथ बंद हुए. भू-राजनीतिक तनाव में कमी की उम्मीद ने तेल बाजार को राहत दी है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि आगे की दिशा पूरी तरह क्षेत्रीय घटनाओं और कूटनीतिक प्रयासों पर निर्भर करेगी.

## मुद्रा भंडार फिर 700 अरब डॉलर के पार

**मुंबई, 17 अप्रैल.** देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 3.825 अरब डॉलर बढ़कर 700.946 अरब डॉलर पर पहुंच गया. विदेशी मुद्रा का देश का भंडार चार सप्ताह बाद एक बार फिर 700 अरब डॉलर के पार पहुंचा है. इससे पहले 03 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 9.063 अरब डॉलर बढ़कर 697.121 अरब डॉलर पर रहा था. रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 10 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों का योगदान 3.127 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 555.983 अरब डॉलर हो गया. इसमें अमेरिका डॉलर के अलावा जापानी येन, ब्रितानी पाउंड और यूरो भी शामिल हैं जिनका मूल्य निर्धारण डॉलर की तुलना में उनके विनिमय दर के आधार पर किया जाता है.

# नए लेबर कोड में ग्रेच्युटी बढ़ेगी

**नई दिल्ली, 17 अप्रैल नई लेबर कोड व्यवस्था के तहत कर्मचारियों की ग्रेच्युटी में बढ़ोतरी का प्रावधान किया गया है, जिससे नौकरीपेशा वर्ग को रिटायरमेंट के समय अधिक आर्थिक लाभ मिल सकेगा. हालांकि इसके साथ ही कुछ शर्तें और नए नियम भी जोड़े गए हैं, जिनके चलते लाभ और कराधान दोनों पर असर पड़ सकता है.**

सरकारी प्रस्तावों के अनुसार, नए श्रम कानून लागू होने के बाद ग्रेच्युटी की गणना और पात्रता के नियमों में बदलाव देखने को मिलेगा. कई मामलों में कर्मचारियों को पहले की तुलना में अधिक ग्रेच्युटी राशि मिलने की संभावना है, खासकर उन कर्मचारियों के लिए जो लंबे समय तक किसी कंपनी या संस्थान में कार्यरत रहते हैं. हालांकि, नए नियमों में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ग्रेच्युटी पर कर (टैक्स) से जुड़े प्रावधानों में बदलाव किया जा सकता है.

इससे कुछ कर्मचारियों की नेट इनहैंड राशि पर असर पड़ सकता है. विशेषज्ञों का कहना है कि जहां एक ओर ग्रेच्युटी की राशि बढ़ने से लाभ दिखाई देता है, वहीं टैक्स नियमों के कारण वास्तविक फायदा कुछ मामलों में सीमित हो सकता है. लेबर कोड का उद्देश्य श्रम कानूनों को सरल और एकीकृत करना है, ताकि कर्मचारियों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा और पारदर्शी लाभ प्रणाली मिल सके.

इसके तहत वेतन संरचना, कार्य समय और रिटायरमेंट बेनिफिट्स में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं.

# भारतीय शेयर बाजारों में आई तेजी

**504 अंक चढ़ा सेंसेक्स**

**156 अंक की बढ़त पर रहा निफ्टी**

**मुंबई, 17 अप्रैल घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को चौतरफा लिवाली देखी गयी जिससे प्रमुख सूचकांक छह सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुए.**

बीएसई का सेंसेक्स 504.86 अंक (0.65 प्रतिशत) चढ़कर 78,493.54 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 156.80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार की समाप्ति पर 24,353.55 अंक पर रहा. यह दोनों सूचकांकों का छह सप्ताह का

उच्चतम स्तर है.

छोटी और मझौली कंपनियों में जबरदस्त लिवाली रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.25 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.27 प्रतिशत ऊपर बंद हुए.

आईटी की 0.02 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में लिवाली हावी रही. एफएमसीजी का सूचकांक 2.65 प्रतिशत चढ़ गया. टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, धातु, मीडिया, तेल एवं गैस और रियलटी समूहों में भी अच्छी तेजी रही.

> सेंसेक्स की कंपनियों में हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर में पौने पांच प्रतिशत का उछाल रहा. पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीईएल, टेक महिंद्रा, टाइटन, अडानी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच चढ़े.एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल के शेयर भी हरे निशान में रहे. सनफार्मा का शेयर एक प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया. महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एलएंडटी में भी गिरावट रही.

# सोना-चांदी में आई भारी गिरावट

**नई दिल्ली, 17 अप्रैल वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और बाजार में मुनाफावसूली के बीच आज सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,451 रुपए टूटकर करीब 1.52 लाख रुपए पर आ गया है. इससे पहले इसका भाव 1.53 लाख रुपए के आसपास था.**

इसी तरह चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट देखी गई है. एक

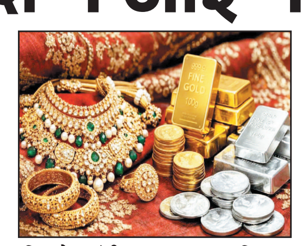

किलो चांदी 1,352 रुपए गिरकर 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है, जबकि एक दिन पहले यह 2.51 लाख रुपए के स्तर पर थी. बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पिछले कुछ दिनों में कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव तेज हो गया है, जिसके चलते निवेशकों में सतर्कता बढ़ी है और मुनाफावसूली का दौर जारी है.

> आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 49 दिनों में सोने की कीमतों में कुल 7,442 रुपए की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि चांदी में करीब 16,760 रुपए की कमी आई है. 27 फरवरी को जहां सोना 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था, वहीं अब यह घटकर 1.52 लाख रुपए के आसपास आ गया है. इसी अवधि में चांदी भी 2.67 लाख रुपए प्रति किलो से फिसलकर 2.50 लाख रुपए तक पहुंच गई है.

## चावल, गेहूं के दाम गिरे खाद्य तेलों में घट-बढ़

**नयी दिल्ली, 17 अप्रैल.** घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव गिर गया. चावल के साथ गेहूं भी सस्ता हुआ. चीनी में टिकाव देखा गया जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा.

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत छह रुपये घटकर 3,850 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी. गेहूं भी तीन रुपये सस्ता हुआ और 2,781 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. आटे की कीमत गत दिवस के स्तर पर टिकी रही.

# मार्क जकरबर्ग बना रहे अपना एआई हमशक्ल

**नई दिल्ली, 17 अप्रैल दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग एक ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जो आने वाले समय में तकनीक और कॉर्पोरेट दुनिया की कार्यशैली को पूरी तरह बदल सकता है.**

जकरबर्ग अपना एक फोटोरियलिस्टिक 3डी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हमशक्ल तैयार करवा रहे हैं, जो न केवल उनकी तरह दिखेगा बल्कि उनकी तरह बातचीत भी कर सकेगा. रिपोर्ट्स के अनुसार, यह डिजिटल एआई क्लोन कर्मचारियों के साथ मीटिंग्स में भाग ले सकेगा और उनकी जगह संवाद कर पाएगा. इसे इस तरह विकसित किया जा रहा है कि यह जकरबर्ग के हाव-भाव, आवाज, बोलने के अंदाज और सोचने के तरीके की नकल कर सके.

## समाचार विशेष

# ममता बनर्जी के साथ क्षेत्रीय दल एकजुट

## अखिलेश-तेजस्वी और हेमंत का साथ, भाजपा-कांग्रेस अकेले

**रांची. बंगाल विधानसभा चुनाव ने राष्ट्रीय राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है. तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के नेतृत्व में क्षेत्रीय दलों की बढ़ती नजदीकियां विपक्ष की नई धुरी बनने के संकेत दे रही हैं.**

झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राजद के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और समाजवादी पार्टी प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की राजनीतिक सक्रियता इस दिशा में अहम मानी जा रही है. तेजस्वी और अखिलेश के बाद जल्द ही हेमंत सोरेन भी ममता बनर्जी के पक्ष में अभियान आरंभ करने के लिए बंगाल का रुख कर सकते हैं. इन तीनों नेताओं की राजनीति अपने-अपने राज्यों में मजबूत सामाजिक आधार पर टिकी है.

हेमंत सोरेन जहां आदिवासी और क्षेत्रीय मुद्दों को केंद्र में रखते हैं, वहीं तेजस्वी यादव सामाजिक न्याय की राजनीतिक धारा को आगे बढ़ा रहे हैं. दूसरी ओर अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में पिछड़ा-दलित-मुस्लिम समीकरण को साधने की कोशिश में हैं. अब ये तीनों नेता भाजपा के खिलाफ एक साझा रणनीति के तहत ममता बनर्जी के साथ तालमेल बढ़ाते नजर आ रहे हैं. राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता की बात लंबे समय से उठती रही है, लेकिन ठोस नेतृत्व का अभाव हमेशा बाधा रहा. ऐसे में ममता बनर्जी का आक्रामक राजनीतिक रुख और भाजपा के खिलाफ उनकी स्पष्ट रणनीति उन्हें इस संभावित गठबंधन का स्वाभाविक चेहरा बना रही है.

> **क्षेत्रीय दल अब कांग्रेस पर निर्भर नहीं**
>
> बंगाल में उनकी पकड़ और राष्ट्रीय स्तर पर उनकी स्वीकार्यता इस उभरते समीकरण को मजबूती दे सकती है. इस पूरी कवायद के बीच कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिख रही है. कई राज्यों में संगठनात्मक कमजोरी और नेतृत्व को लेकर अस्पष्टता ने उसे विपक्षी एकजुटता की धुरी बनने से रोका है. क्षेत्रीय दल अब कांग्रेस पर निर्भर रहने के बजाय अपने स्तर पर गठजोड़ की संभावनाएं तलाश रहे हैं. इससे भविष्य में विपक्षी राजनीति का स्वरूप बदल सकता है. बंगाल चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि 2029 के लोकसभा चुनाव की रणनीति का शुरुआती मंच बन सकता है. यदि यह क्षेत्रीय एकजुटता ठोस रूप लेती है तो भाजपा के सामने एक मजबूत और बहुस्तरीय चुनौती खड़ी हो सकती है.

# तमिलनाडु में आप की एंट्री

## एमके स्टालिन के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे केजरीवाल

**नई दिल्ली. दक्षिण भारत की राजनीति में इस बार एक नया समीकरण देखने को मिल रहा है. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आगामी विधानसभा चुनावों में द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) के पक्ष में हुंकार भरेंगे. केजरीवाल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के समर्थन में चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए 20 अप्रैल को चेन्नई पहुंचेंगे. तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक चरण में मतदान होना है.**

जानकारी के अनुसार, केजरीवाल

का यह दौरा दो दिवसीय होगा. वह 20 और 21 अप्रैल को तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में विशाल जनसभाओं को संबोधित करेंगे. 20 अप्रैल को चेन्नई पहुंचने के तुरंत बाद, वह मुख्यमंत्री स्टालिन के साथ मंच साझा कर सकते हैं. इसके बाद अगले दिन 21 अप्रैल को भी उनकी कई रैलियां और रोड शो प्रस्तावित हैं. हालांकि, तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है, लेकिन पार्टी ने सेकुलर प्रोग्रेसिव एलायंस को पूर्ण समर्थन देने का निर्णय लिया है. केजरीवाल का यह दौरा भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ एक साझा मोर्चा खड़ा करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है.

**जेनक्रेस्ट बायो प्रोडक्ट्स प्रा.लि.**

रजिस्टर्ड ऑफिस : लेवल 7, गाला इम्पेक्का, कंट्रीयार्ड मेरियट के पास, अंधेरी-कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400059, भारत.

**सार्वजनिक सूचना**

कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी आदेश सं. एस.ओ.2900(ई) दिनांक 24 अक्तूबर 2015, इसके संशोधन दिनांक 30 दिसंबर 2017 तथा एस.ओ. 2001(ई) दिनांक 22 जून 2020 के अनुक्रम में जेनक्रेस्ट बायो प्रोडक्ट्स प्रा.लि. एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि वह, नीचे दिए गए विनिर्धारणों के अनुसार, निम्नलिखित नए 100% जल में घुलनशील फर्टिलाइजर्स ग्रेड्स के मिश्रण को बेचने/मार्केट करने का इच्छुक है : 1) N:P:K+Fe 0:42:47:2.8(Fe), कुल नाइट्रोजन N के रूप में 0%, कुल फॉस्फोरस $P_2O_5$ के रूप में 42%, कुल पोटेशियम $K_2O$ के रूप में 47%, कुल आयरन Fe के रूप में 2.8% । 2) N:P:K:S:TE 5:5:46:9 +TE, कुल नाइट्रोजन N के रूप में 5%, कुल फॉस्फोरस $P_2O_5$ के रूप में 5%, कुल पोटेशियम $K_2O$ के रूप में 46%, कुल सल्फर S के रूप में 9% और TE । 3) N:P:K+TE : 0:60:20 + TE, कुल नाइट्रोजन N के रूप में 0%, कुल फॉस्फोरस $P_2O_5$ के रूप में 60%, कुल पोटेशियम $K_2O$ के रूप में 20% और TE । 4) N:P:K+TE 0:55:17, कुल नाइट्रोजन N के रूप में 0%, कुल फॉस्फोरस $P_2O_5$ के रूप में 55%, कुल पोटेशियम $K_2O$ के रूप में 17% । **पानी में 100% घुलनशील उर्वरक मिश्रण के अन्य सामान्य विनिर्धारण:** अ) वजन अनुसार नमीं का प्रतिशत, अधिकतम: 0.5%, ब) वजन अनुसार क्लोराइड का प्रतिशत, अधिकतम: 1.5%, स) वजन अनुसार सोडियम का NaCl के रूप में प्रतिशत, अधिकतम :0.5%, द) वजन अनुसार पानी में अघुलनशील पदार्थ का प्रतिशत, अधिकतम: 0.5%, य) वजन अनुसार लेड (Pb के रूप में) का प्रतिशत, अधिकतम : 0.003%, र) वजन अनुसार कैडमियम (Cd के रूप में) का प्रतिशत, अधिकतम: 0.0025% । ल) वजन अनुसार आर्सेनिक (As के रूप में) का प्रतिशत, अधिकतम :0.01%।

ईमेल: info@gencrest.com | वेब: www.gencrest.com | फ़ोन: 91+2269693200.

**कार्यालय, जिला पंचायत, खंडवा**

दूर. क. -07332223264, फैक्स- 2228476 ईमेल- ceozpkhd@mp.nic.in

**विज्ञप्ति**

कार्यालय जिला पंचायत खण्डवा अंतर्गत नियमानुसार सामग्री के लिये फार्म का चयन हेतु GEM पोर्टल पर बिड अपलोड की गई है। कम्प्यूटर - All in One PC (V2) एवं प्रिंटर - Multifunction Machine MFM (V2) क्रय की जाना है। पोर्टल पर सेसिफिकेशन के आधार पर बिड दस्तावेज बिड नम्बर - GEM / 2026 /B/7447519 है। बिड के समस्त नियम एवं समस्त शर्ते पोर्टल की साईट पर देखी जा सकती है एवं भरने हेतु अंतिम तिथि 08/05/2026 है। बिड से संबंधित तकनीकी दस्तावेजों की हार्ड कॉपी, डीडी, तकनीकी निविदा खुलने के एक दिन पूर्व कार्यालय में जमा करवाना अनिवार्य है। दस्तावेज प्राप्त नहीं होने की स्थिति में आपकी फर्म को बिड में अमान्य कर दिया जावेगा।

( डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ )
IAS
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, खण्डवा

**The Court of IV Additional Motor Accident Claims Tribunal, District Court, Vidisha**

Presiding Officer : राजेश शर्मा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाश हेतु)
(MACC/0000024/2005)
**विहारी ............... वादी**
Vs
**मेसर्स सिंघल एंड कंपनी आदि..... प्रतिवादी**
Process Id -/2026
ID 956/26 PN 401/26
Process Id -2026
**पेशी दिनांक :- 22/04/2026**
**(1) मेसर्स सिंघल एंड कंपनी**
पता 23 सिंधी कॉलोनी इंदौर मप्र 452001

यह कि प्रार्थी **विहारी** पिता नरसिंह ने आपके विरुद्ध **एम स सी सी मोटरव्हीकल एक्ट धारा 166 में मेसर्स सिंघल एंड कंपनी पता 23 सिंधी कॉलोनी इंदौर मप्र के विरुद्ध वाद संस्थित किया** है. आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के **30 दिवस** के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो बाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 16 April 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

कृपया ध्यान दें:-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि की न्यायालय अवकाश पर होगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

**न्यायाधीश**

**कार्यालय कार्यपालन यंत्री,**
**ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग बड़वानी जिला बड़वानी**

दूरभाष क्रमांक- 07290-223412 / ई-मेल eeresbarwani@mp.gov.in

क्रमांक /791/ वलेलि / ग्रायांसेवा / 2026 — बड़वानी, दिनांक 15/04/2026

**संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना कमांक- 07/2025-26**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बड़वानी के अन्तर्गत 02 निर्माण कार्यो सिस्टम टेंडर नंबर 2026_RES_500002, 2026_RES_500003 हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अन्तर्गत सिविल श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से क्रमशः दो लिफाफा पद्धति से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा संशोधित प्रपत्र अपेडिक्स 2.10 अनुसार अद्यतन संशोधन, निर्धारित तिथि (Key - Date) अनुसार तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने के दिनांक तक संशोधित) के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन कय करने की अंतिम तिथि 04.05.2026 समय 17.30 बजे तक तथा निविदा प्रपत्र एवं ऑनलाइन दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 04.05.2026 समय 17.30 बजे तक निर्धारित है। वित्तीय ऑफर दिनांक 06.05.2026 को कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बड़वानी के कार्यालय मे खोले जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बड़वानी, जिला बड़वानी.

**G11683/26**

**इंडसइंड बैंक लिमिटेड**

**पंजीकृत कार्यालय:** 2401, जनरल थिम्मय्या रोड, कैंटोनमेंट, पुणे 411001,
**उपभोक्ता वित्त प्रभाग:** 34, जी.एन. चेट्टी रोड, टी. नगर, चेन्नई-600017,
**राज्य कार्यालय:** द्वितीय तल, क्वालिटी बिजनेस सेंटर, 7 बैंक स्ट्रीट, जोन II, एमपी नगर, भोपाल 462011

(परिशिष्ठ IV) नियम 8(1) देखें
**आधिपत्य सूचना**

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता ने इंडसइंड बैंक लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 का सपठित नियम 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणी/ बंधककर्ता/जमानतदार **श्री दद्दू सिंह चौहान पिता अच्छू सिंह चौहान, श्रीमती सीमा चौहान पिता बहादुर, दोनों निवासी:** मकान नं. 12, श्रीकृष्ण नगर, धार मध्यप्रदेश 454775 को मांग सूचना पत्र दिनांकित **27/06/2025** उक्त सूचना पत्र की प्राप्ति दिनांक से **60 दिनों** के भीतर सूचना पत्र में उल्लेखित राशि **रुपये 20,05,472/- (रुपय बीस लाख पाँच हजार चार सौ बहत्तर मात्र) दिनांक 27/06/2025 तक,** ऋण खाता संख्या **III05234M** के तहत, पूर्ण भुगतान होने तक अतिरिक्त ब्याज एवं शुल्क सहित देय को लौटाने के लिए निर्गमित किया।

ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता द्वारा यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/ जमानतदार/ बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का **भौतिक आधिपत्य** दिनांक **15 अप्रैल, 2026** को ग्रहण कर लिया है।

ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता को विशेषत: एवं सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार राशि **पये 20,05,472/- (रुपय बीस लाख पाँच हजार चार सौ बहत्तर मात्र) दिनांक 27/06/2025 तक,** एवं पूर्ण भुगतान होने तक उसपर आगे का ब्याज, शुल्क आदि के लिए इंडसइंड बैंक लि. के प्रभार के अधीन होगा।

**प्रत्याभूत परिसंपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों में कर्जदार का ध्यान आकर्षित किया जाता है।**

**अचल संपत्ति का विवरण**

समस्त भाग एवं अंश, प्लॉट नं. 77 का मध्य भाग, महालक्ष्मी नगर कॉलोनी वार्ड नं. 9, ग्राम मगजपुरा, तहसील एवं जिला धार-454001, क्षेत्रफल 312 वर्गफीट **चर्तुसीमाएँ:-** उत्तर में : कॉलोनी रोड, दक्षिण में: प्लॉट नं. 76, पूर्व में: इसी प्लॉट का शेष भाग, पश्चिम में: इसी प्लॉट का शेष भाग

**स्थान : भोपाल (म.प्र.)**
**दिनांक : 18/04/2026**

**प्राधिकृत अधिकारी - राजीव चौकसे**
**वास्ते इंडसइंड बैंक लिमिटेड**